Luk

Chapter 19

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	Καὶ	εἰσελθὼν,	διήρχετο	τὴν	Ἰεριχώ.
	और	प्रवेश–करके	जा–रहा–था	–	यरीहो–से
	G2532	G1525	G1330	G3588	G2410

> यीशु यरीहो में प्रवेश करके नगर से होकर जा रहा था

2	Καὶ	ἰδοὺ,	ἀνὴρ	ὀνόματι	καλούμενος	Ζακχαῖος,	καὶ	αὐτὸς	ἦν
	और	देखो	पुरुष	नाम–से	बुलाया–जाने–वाला	जक्कई	और	वह	था
	G2532	G3708	G0435	G3686	G2564	G2195	G2532	G0846	G1510

ἀρχιτελώνης,	καὶ	αὐτὸς	πλούσιος.
मुख्य–चुंगी–लेने–वाला	और	वह	धनी
G0754	G2532	G0846	G4145

> वहाँ जक्कई नाम का एक व्यक्ति भी मौजूद था। वह कर वसूलने वालों का मुखिया था। सो वह बहुत धनी था।

3	καὶ	ἐζήτει	ἰδεῖν	τὸν	Ἰησοῦν,	τίς	ἐστιν,	καὶ	οὐκ	ἠδύνατο	ἀπὸ	τοῦ
	और	ढूँढ–रहा–था	देखना	–	यीशु–को	कौन	है	और	नहीं	समर्थ–था	के–कारण	–
	G2532	G2212	G3708	G3588	G2424	G5101	G1510	G2532	G3756	G1410	G0575	G3588

ὄχλου,	ὅτι	τῇ	ἡλικίᾳ	μικρὸς	ἦν.
भीड़	क्योंकि	–	कद–में	छोटा	था
G3793	G3754	G3588	G2244	G3398	G1510

> वह यह देखने का जतन कर रहा था कि यीशु कौन है, पर भीड़ के कारण वह देख नहीं पा रहा था क्योंकि उसका कद छोटा था।

4	καὶ	προδραμὼν	εἰς	τὸ	ἔμπροσθεν	ἀνέβη	ἐπὶ	συκομορέαν,	ἵνα	ἴδῃ
	और	आगे–दौड़कर	में	–	आगे	चढ़ा	पर	गूलर–के–पेड़	कि	देखे
	G2532	G4390	G1519	G3588	G1715	G0305	G1909	G4809	G2443	G3708

αὐτόν,	ὅτι	ἐκείνης	ἤμελλεν	διέρχεσθαι.
उसे	क्योंकि	उस–से	वाला–था	गुज़रने
G0846	G3754	G1565	G3195	G1330

> सो वह सब के आगे दौड़ता हुआ एक गूलर के पेड़ पर जा चढ़ा ताकि, वह उसे देख सके क्योंकि यीशु को उसी रास्ते से होकर निकलना था।

5	καὶ	ὡς	ἦλθεν	ἐπὶ	τὸν	τόπον,	ἀναβλέψας,	ὁ	Ἰησοῦς	εἶπεν	πρὸς
	और	जब	आया	पर	–	स्थान	ऊपर–देखकर	–	यीशु–ने	कहा	से
	G2532	G5613	G2064	G1909	G3588	G5117	G0308	G3588	G2424	G3004	G4314

αὐτόν,	Ζακχαῖε,	σπεύσας	κατάβηθι;	σήμερον	γὰρ	ἐν	τῷ	οἴκῳ	σου	δεῖ
उस	हे–जक्कई	जल्दी–करके	उतर–आ	आज	क्योंकि	में	–	घर	तेरे	आवश्यक–है
G0846	G2195	G4692	G2597	G4594	G1063	G1722	G3588	G3624	G4771	G1163

με	μεῖναι.
मुझे	ठहरना
G1473	G3306

> फिर जब यीशु उस स्थान पर आया तो उसने ऊपर देखते हुए जक्कई से कहा, “जक्कई, जल्दी से नीचे उतर आ क्योंकि मुझे आज तेरे ही घर ठहरना है।”

6	καὶ	σπεύσας,	κατέβη	καὶ	ὑπεδέξατο	αὐτὸν,	χαίρων.
	और	जल्दी–करके	उतरा	और	स्वागत–किया	उसे	प्रसन्न–होता–हुआ
	G2532	G4692	G2597	G2532	G5264	G0846	G5463

> सो उसने झटपट नीचे उतर प्रसन्नता के साथ उसका स्वागत किया।

7	καὶ	ἰδόντες,	πάντες	διεγόγγυζον,	λέγοντες,	ὅτι	Παρὰ	ἁμαρτωλῷ	ἀνδρὶ
	और	देखकर	सब	कुड़कुड़ाते-थे	कहते-हुए	कि	पास	पापी	पुरुष-के
	G2532	G3708	G3956	G1234	G3004	G3754	G3844	G0268	G0435

εἰσῆλθεν	καταλῦσαι.
प्रवेश-किया	ठहरने
G1525	G2647

> जब सब लोगों ने यह देखा तो वे बड़बड़ाने लगे और कहने लगे, "यह एक पापी के घर अतिथि बनने जा रहा है!"

8	σταθεὶς	δὲ,	Ζακχαῖος	εἶπεν	πρὸς	τὸν	Κύριον,	Ἰδοὺ,	τὰ	ἡμίσιά	μου	τῶν
	खड़ा-होकर	और	जक्कई-ने	कहा	से	–	प्रभु	देख	–	आधी	मेरी	–
	G2476	G1161	G2195	G3004	G4314	G3588	G2962	G3708	G3588	G2255	G1473	G3588

ὑπαρχόντων,	Κύριε,	τοῖς	πτωχοῖς	δίδωμι,	καὶ	εἴ	τινός	τι	ἐσυκοφάντησα,
सम्पत्ति-की	हे-प्रभु	–	गरीबों-को	देता-हूँ	और	यदि	किसी-से	कुछ	झूठा-लिया-है
G5225	G2962	G3588	G4434	G1325	G2532	G1487	G5100	G5100	G4811

ἀποδίδωμι	τετραπλοῦν.
लौटाता-हूँ	चौगुना
G0591	G5073

> किन्तु जक्कई खड़ा हुआ और प्रभु से बोला, "हे प्रभु, देख, मैं अपनी सारी सम्पत्ति का आधा गरीबों को दे दूँगा और यदि मैंने किसी का छल से कुछ भी लिया है तो उसे चौगुना करके लौटा दूँगा!"

9	εἶπεν	δὲ	πρὸς	αὐτὸν	ὁ	Ἰησοῦς,	ὅτι	Σήμερον	σωτηρία	τῷ	οἴκῳ
	कहा	और	से	उस	–	यीशु-ने	कि	आज	उद्धार	–	घर
	G3004	G1161	G4314	G0846	G3588	G2424	G3754	G4594	G4991	G3588	G3624

τούτῳ	ἐγένετο,	καθότι	καὶ	αὐτὸς	υἱὸς	Ἀβραάμ	ἐστιν:
इस	हुआ	जिस-कारण	भी	वह	पुत्र	अब्राहम-का	है
G3778	G1096	G2530	G2532	G0846	G5207	G0011	G1510

> यीशु ने उससे कहा, "इस घर पर आज उद्धार आया है, क्योंकि यह व्यक्ति भी इब्राहीम की ही एक सन्तान है।

10	ἦλθεν	γὰρ	ὁ	Υἱὸς	τοῦ	ἀνθρώπου	ζητῆσαι,	καὶ	σῶσαι	τὸ	ἀπολωλός.
	आया	क्योंकि	–	पुत्र	–	मनुष्य-का	ढूँढने	और	बचाने	–	खोये-हुए-को
	G2064	G1063	G3588	G5207	G3588	G0444	G2212	G2532	G4982	G3588	G0622

> क्योंकि मनुष्य का पुत्र जो कोई खो गया है, उसे ढूँढने और उसकी रक्षा के लिए आया है।"

11	Ἀκουόντων	δὲ	αὐτῶν	ταῦτα,	προσθεὶς,	εἶπεν	παραβολὴν,	διὰ	τὸ	ἐγγὺς
	सुनते-हुए	और	उनके	ये-बातें	जोड़ते-हुए	कहा	दृष्टान्त	के-कारण	–	निकट
	G0191	G1161	G0846	G3778	G4369	G3004	G3850	G1223	G3588	G1451

εἶναι	Ἰερουσαλὴμ	αὐτὸν,	καὶ	δοκεῖν	αὐτοὺς	ὅτι	παραχρῆμα	μέλλει	ἡ
होने	यरूशलेम-के	उसके	और	सोचते-थे	वे	कि	तुरन्त	वाला-है	–
G1510	G2419	G0846	G2532	G1380	G0846	G3754	G3916	G3195	G3588

βασιλεία	τοῦ	Θεοῦ	ἀναφαίνεσθαι.
राज्य	–	परमेश्वर-का	प्रकट-होना
G0932	G3588	G2316	G0398

> वे जब इन बातों को सुन रहे थे तो यीशु ने उन्हें एक और दृष्टान्त-कथा सुनाई क्योंकि यीशु यरूशलेम के निकट था और वे सोचते थे कि परमेश्वर का राज्य तुरंत ही प्रकट होने जा रहा है।

12

εἶπεν	οὖν,	Ἄνθρωπός	τις	εὐγενὴς	ἐπορεύθη	εἰς	χώραν	μακρὰν,	λαβεῖν
कहा	अतः	मनुष्य	कोई	कुलीन	गया	में	देश	दूर	लेने
G3004	G3767	G0444	G5100	G2104	G4198	G1519	G5561	G3117	G2983

ἑαυτῷ	βασιλείαν	καὶ	ὑποστρέψαι.
अपने-लिए	राज्य	और	लौटने
G1438	G0932	G2532	G5290

> सो यीशु ने कहा, “एक उच्च कुलीन व्यक्ति राजा का पद प्राप्त करके आने को किसी दूर देश को गया।

13

καλέσας	δὲ	δέκα	δούλους	ἑαυτοῦ,	ἔδωκεν	αὐτοῖς	δέκα	μνᾶς,	καὶ	εἶπεν
बुलाकर	और	दस	दासों-को	अपने	दिया	उन-को	दस	मिना	और	कहा
G2564	G1161	G1176	G1401	G1438	G1325	G0846	G1176	G3414	G2532	G3004

πρὸς	αὐτούς,	Πραγματεύσασθε	ἐν	ᾧ	ἔρχομαι.
से	उन	व्यापार-करो	में	जब-तक	आता-हूँ
G4314	G0846	G4231	G1722	G3739	G2064

> सो उसने अपने दस सेवकों को बुलाया और उनमें से हर एक को दस दस थैलियाँ दी और उनसे कहा, ‘जब तक मैं लौटूँ, इनसे कोई व्यापार करो।’

14

οἱ	δὲ	πολῖται	αὐτοῦ	ἐμίσουν	αὐτόν,	καὶ	ἀπέστειλαν	πρεσβείαν	ὀπίσω
–	पर	नागरिक	उसके	घृणा-करते-थे	उस-से	और	भेजा	दूतमंडली	पीछे
G3588	G1161	G4177	G0846	G3404	G0846	G2532	G0649	G4242	G3694

αὐτοῦ,	λέγοντες,	Οὐ	θέλομεν	τοῦτον	βασιλεῦσαι	ἐφ’	ἡμᾶς.
उसके	कहते-हुए	नहीं	चाहते-हैं	इसे	राजा-होना	पर	हम
G0846	G3004	G3756	G2309	G3778	G0936	G1909	G1473

> किन्तु उसके नगर के दूसरे लोग उससे घृणा करते थे, इसलिये उन्होंने उसके पीछे यह कहने को एक प्रतिनिधि मंडल भेजा, ‘हम नहीं चाहते कि यह व्यक्ति हम पर राज करे।’

15

καὶ	ἐγένετο	ἐν	τῷ	ἐπανελθεῖν	αὐτὸν,	λαβόντα	τὴν	βασιλείαν,	καὶ	εἶπεν
और	हुआ	में	–	लौटने-पर	उसके	लेकर	–	राज्य	और	कहा
G2532	G1096	G1722	G3588	G1880	G0846	G2983	G3588	G0932	G2532	G3004

φωνηθῆναι	αὐτῷ	τοὺς	δούλους	τούτους	οἷς	δεδώκει	τὸ	ἀργύριον,	ἵνα
बुलाए-जाने	उसके-पास	–	दासों-को	उन	जिन-को	दिया-था	–	चाँदी	कि
G5455	G0846	G3588	G1401	G3778	G3739	G1325	G3588	G0694	G2443

γνοῖ	□τίς□	τί	διεπραγματεύσαντο.
जाने	कौन	क्या	कमाया
G1097	G5101	G5101	G1281

> “किन्तु उसने राजा की पदनी पा ली। फिर जब वह वापस घर लौटा तो जिन सेवकों को उसने धन दिया था उनको यह जानने के लिए कि उन्होंने क्या लाभ कमाया है, उसने बुलावा भेजा।

16

παρεγένετο	δὲ	ὁ	πρῶτος,	λέγων,	Κύριε,	ἡ	μνᾶ	σου,	δέκα
आया	और	–	पहला	कहते-हुए	हे-प्रभु	–	मिना	तेरी	दस
G3854	G1161	G3588	G4413	G3004	G2962	G3588	G3414	G4771	G1176

προσηργάσατο	μνᾶς.
कमाई	मिना
G4333	G3414

> पहला आया और बोला, ‘हे स्वामी, तेरी थैलियों से मैंने दस थैलियाँ और कमायी है।’

17 καὶ εἶπεν αὐτῷ, Εὖγε, ἀγαθὲ δοῦλε! ὅτι ἐν ἐλαχίστῳ, πιστὸς ἐγένου,
और कहा उस-से शाबाश उत्तम दास क्योंकि में थोड़े-में विश्वासयोग्य हुआ
G2532 G3004 G0846 G2095 G0018 G1401 G3754 G1722 G1646 G4103 G1096

ἴσθι ἐξουσίαν ἔχων ἐπάνω δέκα πόλεων.
हो अधिकार रखता-हुआ ऊपर दस नगरों-के
G1510 G1849 G2192 G1883 G1176 G4172

> इस पर उसके स्वामी ने उससे कहा, 'उत्तम सेवक, तूने अच्छा किया। क्योंकि तू इस छोटी सी बात पर विश्वास के योग्य रहा। तू दस नगरों का अधिकारी होगा।'

18 καὶ ἦλθεν ὁ δεύτερος, λέγων, Ἡ μνᾶ σου, κύριε, ἐποίησεν πέντε
और आया – दूसरा कहते-हुए – मिना तेरी हे-प्रभु बनाई पाँच
G2532 G2064 G3588 G1208 G3004 G3588 G3414 G4771 G2962 G4160 G4002

μνᾶς.
मिना
G3414

> "फिर दूसरा सेवक आया और उसने कहा, 'हे स्वामी, तेरी थैलियों से पाँच थैलियाँ और कमाई हैं।'

19 εἶπεν δὲ καὶ τούτῳ, Καὶ σὺ, ἐπάνω γίνου πέντε πόλεων.
कहा और भी इस-से और तू ऊपर हो-जा पाँच नगरों-के
G3004 G1161 G2532 G3778 G2532 G4771 G1883 G1096 G4002 G4172

> फिर उसने इससे कहा, 'तू पाँच नगरों के ऊपर होगा।'

20 καὶ ὁ ἕτερος ἦλθεν, λέγων, Κύριε, ἰδοὺ ἡ μνᾶ σου, ἣν εἶχον
और – दूसरा आया कहते-हुए हे-प्रभु देख – मिना तेरी जो रखता-था
G2532 G3588 G2087 G2064 G3004 G2962 G3708 G3588 G3414 G4771 G3739 G2192

ἀποκειμένην ἐν σουδαρίῳ.
रखी-हुई में कपड़े
G0606 G1722 G4676

> "फिर वह अन्य सेवक आया और कहा, 'हे स्वामी, यह रही तेरी थैली जिसे मैंने गमछे में बाँध कर कहीं रख दिया था।

21 ἐφοβούμην γάρ σε, ὅτι ἄνθρωπος αὐστηρὸς εἶ; αἴρεις ὃ οὐκ
डरता-था क्योंकि तुझ-से कि मनुष्य कठोर है उठाता-है जो नहीं
G5399 G1063 G4771 G3754 G0444 G0840 G1510 G0142 G3739 G3756

ἔθηκας, καὶ θερίζεις ὃ οὐκ ἔσπειρας.
रखा और काटता-है जो नहीं बोया
G5087 G2532 G2325 G3739 G3756 G4687

> मैं तुझ से डरता रहा हूँ, क्योंकि तू, एक कठोर व्यक्ति है। तूने जो रखा नहीं है तू उसे भी ले लेता है और जो तूने बोया नहीं तू उसे काटता है।'

22 λέγει αὐτῷ, Ἐκ τοῦ στόματός σου κρίνω σε, πονηρὲ δοῦλε; ᾔδεις
कहता-है उस-से से – मुँह तेरे न्याय-करता-हूँ तुझे दुष्ट दास जानता-था
G3004 G0846 G1537 G3588 G4750 G4771 G2919 G4771 G4190 G1401 G1492

ὅτι ἐγὼ ἄνθρωπος αὐστηρός εἰμι, αἴρων ὃ οὐκ ἔθηκα καὶ θερίζων
कि मैं मनुष्य कठोर हूँ उठाने-वाला जो नहीं रखा और काटने-वाला
G3754 G1473 G0444 G0840 G1510 G0142 G3739 G3756 G5087 G2532 G2325

ὃ οὐκ ἔσπειρα?
जो नहीं बोया
G3739 G3756 G4687

> "स्वामी ने उससे कहा, 'अरे दुष्ट सेवक, मैं तेरे अपने ही शब्दों के आधार पर तेरा न्याय करूँगा। तू तो जानता ही है कि मैं जो रखता नहीं हूँ, उसे भी ले लेने वाला और जो बोता नहीं हूँ, उसे भी काटने वाला एक कठोर व्यक्ति हूँ?

23	καὶ	διὰ	τί	οὐκ	ἔδωκάς	μου	τὸ	ἀργύριον	ἐπὶ	τράπεζαν,	κἀγὼ
	और	किस-कारण	क्यों	नहीं	दिया	मेरी	–	चाँदी	पर	मेज़	और-मैं
	G2532	G1223	G5101	G3756	G1325	G1473	G3588	G0694	G1909	G5132	G2504

ἐλθὼν,	σὺν	τόκῳ	ἂν	αὐτὸ	ἔπραξα?
आकर	साथ	ब्याज	कोई	उसे	वसूल-करता
G2064	G4862	G5110	G0302	G0846	G4238

> तो तूने मेरा धन ब्याज पर क्यों नहीं लगाया, ताकि जब मैं वापस आता तो ब्याज समेत उसे ले लेता।’

24	καὶ	τοῖς	παρεστῶσιν	εἶπεν,	Ἄρατε	ἀπ’	αὐτοῦ	τὴν	μνᾶν,	καὶ	δότε	τῷ
	और	–	खड़े-हुओं-को	कहा	ले-लो	से	उस	–	मिना	और	दे-दो	–
	G2532	G3588	G3936	G3004	G0142	G0575	G0846	G3588	G3414	G2532	G1325	G3588

τὰς	δέκα	μνᾶς	ἔχοντι.
–	दस	मिना	रखने-वाले-को
G3588	G1176	G3414	G2192

> फिर पास खड़े लोगों से उसने कहा, ‘इसकी थैली इससे ले लो और जिसके पास दस थैलियाँ हैं उसे दे दो।’

25	καὶ	εἶπαν	αὐτῷ,	Κύριε,	ἔχει	δέκα	μνᾶς.
	और	कहा	उस-से	हे-प्रभु	रखता-है	दस	मिना
	G2532	G3004	G0846	G2962	G2192	G1176	G3414

> “इस पर उन्होंने उससे कहा, ‘हे स्वामी, उसके पास तो दस थैलियाँ है।’

26	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	παντὶ	τῷ	ἔχοντι	δοθήσεται;	ἀπὸ	δὲ	τοῦ	μὴ
	कहता-हूँ	तुम-से	कि	हर-एक-को	–	रखने-वाले-को	दिया-जाएगा	से	पर	–	न
	G3004	G4771	G3754	G3956	G3588	G2192	G1325	G0575	G1161	G3588	G3361

ἔχοντος,	καὶ	ὃ	ἔχει	ἀρθήσεται.
रखने-वाले-से	भी	जो	रखता-है	ले-लिया-जाएगा
G2192	G2532	G3739	G2192	G0142

> “स्वामी ने कहा, ‘मैं तुमसे कहता हूँ प्रत्येक उस व्यक्ति को जिसके पास है और अधिक दिया जायेगा और जिसके पास नहीं है, उससे जो उसके पास है, वह भी छीन लिया जायेगा।

27	πλὴν	τοὺς	ἐχθρούς	μου	τούτους,	τοὺς	μὴ	θελήσαντάς	με	βασιλεῦσαι
	तौभी	–	शत्रुओं-को	मेरे	उन	–	न	चाहने-वालों-को	मुझे	राजा-होना
	G4133	G3588	G2190	G1473	G3778	G3588	G3361	G2309	G1473	G0936

ἐπ’	αὐτούς,	ἀγάγετε	ὧδε	καὶ	κατασφάξατε	αὐτοὺς	ἔμπροσθέν	μου.
पर	उन	लाओ	यहाँ	और	मार-डालो	उन-को	सामने	मेरे
G1909	G0846	G0071	G5602	G2532	G2695	G0846	G1715	G1473

> किन्तु मेरे वे शत्रु जो नहीं चाहते कि मैं उन पर शासन करूँ उनको यहाँ मेरे सामने लाओ और मार डालो।’”

28	Καὶ	εἰπὼν	ταῦτα	ἐπορεύετο	ἔμπροσθεν,	ἀναβαίνων	εἰς	Ἱεροσόλυμα.
	और	कहकर	ये-बातें	जा-रहा-था	आगे	चढ़ता-हुआ	को	यरूशलेम
	G2532	G3004	G3778	G4198	G1715	G0305	G1519	G2414

> ये बातें कह चुकने के बाद यीशु आगे चलता हुआ यरूशलेम की ओर बढ़ने लगा।

29	Καὶ	ἐγένετο	ὡς	ἤγγισεν	εἰς	Βηθφαγὴ	καὶ	Βηθανίαν,	πρὸς	τὸ	ὄρος
	और	हुआ	जब	निकट-आया	को	बैतफगी	और	बैतनिय्याह	के-पास	–	पहाड़
	G2532	G1096	G5613	G1448	G1519	G0967	G2532	G0963	G4314	G3588	G3735

τὸ	καλούμενον	Ἐλαιῶν,	ἀπέστειλεν	δύο	τῶν	μαθητῶν,
–	बुलाये-जाने-वाले	ज़ैतून	भेजा	दो	–	चेलों-को
G3588	G2564	G1636	G0649	G1417	G3588	G3101

> और फिर जब वह बैतफगे और बैतनिय्याह में उस पहाड़ी के निकट पहुँचा जो जैतून की पहाड़ी कहलाती थी तो उसने अपने दो शिष्यों को यह कह कर भेजा,

30 λέγων, Ὑπάγετε εἰς τὴν κατέναντι κώμην, ἐν ᾗ εἰσπορευόμενοι
कहते-हुए जाओ में – सामने-के गाँव में जिस प्रवेश-करते-हुए
G3004 G5217 G1519 G3588 G2713 G2968 G1722 G3739 G1531

εὑρήσετε πῶλον δεδεμένον, ἐφ’ ὃν οὐδεὶς πώποτε ἀνθρώπων ἐκάθισεν; καὶ
पाओगे बछेरा बंधा-हुआ पर जिस कोई-नहीं कभी मनुष्यों-में-से बैठा और
G2147 G4454 G1210 G1909 G3739 G3762 G4455 G0444 G2523 G2532

λύσαντες αὐτὸν, ἀγάγετε.
खोलकर उसे लाओ
G3089 G0846 G0071

> “यह जो गाँव तुम्हारे सामने है वहाँ जाओ। जैसे ही तुम वहाँ जाओगे, तुम्हें गधी के बच्चे वहाँ बँधा मिलेगा जिस पर किसी ने कभी सवारी नहीं की होगी, उसे खोलकर यहाँ ले आओ

31 καὶ ἐάν τις ὑμᾶς ἐρωτᾷ, Διὰ τί λύετε? οὕτως ἐρεῖτε, ὅτι Ὁ
और यदि कोई तुम-से पूछे किस-कारण क्यों खोलते-हो ऐसे कहना कि –
G2532 G1437 G5100 G4771 G2065 G1223 G5101 G3089 G3779 G2046 G3754 G3588

Κύριος αὐτοῦ, χρείαν ἔχει.
प्रभु-को उसकी ज़रूरत है
G2962 G0846 G5532 G2192

> और यदि कोई तुमसे पूछे तुम इसे क्यों खोल रहे हो, तो तुम्हें उससे यह कहना है, ‘प्रभु को चाहिये।’”

32 ἀπελθόντες δὲ οἱ ἀπεσταλμένοι, εὗρον καθὼς εἶπεν αὐτοῖς.
जाकर और – भेजे-हुओं-ने पाया जैसा कहा उन-से
G0565 G1161 G3588 G0649 G2147 G2531 G3004 G0846

> फिर जिन्हें भेजा गया था, वे गये और यीशु ने उनको जैसा बताया था, उन्हें वैसा ही मिला।

33 λυόντων δὲ αὐτῶν τὸν πῶλον, εἶπαν οἱ κύριοι αὐτοῦ πρὸς αὐτούς,
खोलते-हुए और उनके – बछेरे-को कहा – मालिकों-ने उसके से उन
G3089 G1161 G0846 G3588 G4454 G3004 G3588 G2962 G0846 G4314 G0846

Τί λύετε τὸν πῶλον?
क्यों खोलते-हो – बछेरे-को
G5101 G3089 G3588 G4454

> सो जब वे उस गधी के बच्चे को खोल ही रहे थे, उसके स्वामी ने उनसे पूछा, “तुम इस गधी के बच्चे को क्यों खोल रहे हो?”

34 οἱ δὲ εἶπαν, ὅτι Ὁ Κύριος αὐτοῦ χρείαν ἔχει.
– और कहा कि – प्रभु-को उसकी ज़रूरत है
G3588 G1161 G3004 G3754 G3588 G2962 G0846 G5532 G2192

> उन्होंने कहा, “यह प्रभु को चाहिये।”

35 καὶ ἤγαγον αὐτὸν πρὸς τὸν Ἰησοῦν; καὶ ἐπιρίψαντες αὐτῶν τὰ ἱμάτια
और ले-आए उसे के-पास – यीशु और डालकर अपने – वस्त्र
G2532 G0071 G0846 G4314 G3588 G2424 G2532 G1977 G0846 G3588 G2440

ἐπὶ τὸν πῶλον, ἐπεβίβασαν τὸν Ἰησοῦν.
पर – बछेरे बिठा-दिया – यीशु-को
G1909 G3588 G4454 G1913 G3588 G2424

> फिर वे उसे यीशु के पास ले आये। उन्होंने अपने वस्त्र उस गधी के बच्चे पर डाल दिये और यीशु को उस पर बिठा दिया।

36 πορευομένου δὲ αὐτοῦ, ὑπεστρώννυον τὰ ἱμάτια ἑαυτῶν ἐν τῇ ὁδῷ.
जाते-हुए और उसके बिछाते-थे – वस्त्र अपने पर – मार्ग
G4198 G1161 G0846 G5291 G3588 G2440 G1438 G1722 G3588 G3598

> जब यीशु जा रहा था तो लोग अपने वस्त्र सड़क पर बिछोते जा रहे थे!

37	ἐγγίζοντος	δὲ	αὐτοῦ;	ἤδη	πρὸς	τῇ	καταβάσει	τοῦ	ὄρους	τῶν	Ἐλαιῶν,
	निकट-आते-हुए	और	उसके	पहले-से	के-पास	–	उतराई	–	पहाड़-की	–	ज़ैतून
	G1448	G1161	G0846	G2235	G4314	G3588	G2600	G3588	G3735	G3588	G1636

ἤρξαντο	ἅπαν	τὸ	πλῆθος	τῶν	μαθητῶν,	χαίροντες,	αἰνεῖν	τὸν	Θεὸν
लगे	सब	–	भीड़	–	चेलों-की	प्रसन्न-होते-हुए	स्तुति-करने	–	परमेश्वर-की
G0756	G0537	G3588	G4128	G3588	G3101	G5463	G0134	G3588	G2316

φωνῇ	μεγάλῃ	περὶ	πασῶν	ὧν	εἶδον	δυνάμεων,
आवाज़-से	बड़ी	के-विषय-में	सब	जो	देखीं	शक्तियों
G5456	G3173	G4012	G3956	G3739	G3708	G1411

> और फिर जब वह जैतून की पहाड़ी से तलहटी के पास आया तो शिष्यों की समूची भीड़ उन सभी अद्भुत कार्यों के लिये, जो उन्होंने देखे थे, ऊँचे स्वर में प्रसन्नता के साथ परमेश्वर की स्तुति करने लगी।

38	λέγοντες,	Εὐλογημένος	ὁ	ἐρχόμενος	ὁ	Βασιλεὺς	ἐν	ὀνόματι	Κυρίου.
	कहते-हुए	धन्य	–	आने-वाला	–	राजा	में	नाम	प्रभु-के
	G3004	G2127	G3588	G2064	G3588	G0935	G1722	G3686	G2962

ἐν	οὐρανῷ	εἰρήνη,	καὶ	δόξα	ἐν	ὑψίστοις.
में	स्वर्ग	शान्ति	और	महिमा	में	सर्वोच्च
G1722	G3772	G1515	G2532	G1391	G1722	G5310

> वे पुकार उठे: "'धन्य है वह राजा, जो प्रभु के नाम में आता है।' स्वर्ग में शान्ति हो, और आकाश में परम परमेश्वर की महिमा हो!"

39	καί	τινες	τῶν	Φαρισαίων	ἀπὸ	τοῦ	ὄχλου	εἶπαν	πρὸς	αὐτόν,	Διδάσκαλε,
	और	कुछ	–	फरीसियों-ने	से	–	भीड़	कहा	से	उस	हे-गुरु
	G2532	G5100	G3588	G5330	G0575	G3588	G3793	G3004	G4314	G0846	G1320

ἐπιτίμησον	τοῖς	μαθηταῖς	σου.
डाँट	–	चेलों-को	अपने
G2008	G3588	G3101	G4771

> भीड़ में खड़े हुए कुछ फरीसियों ने उससे कहा, "गुरु, शिष्यों को मना कर।"

40	καὶ	ἀποκριθεὶς,	εἶπεν,	Λέγω	ὑμῖν,	‹ὅτι›	ἐὰν	οὗτοι	σιωπήσουσιν,	οἱ	λίθοι
	और	उत्तर-देकर	कहा	कहता-हूँ	तुम-से	कि	यदि	ये	चुप-हो-जाएंगे	–	पत्थर
	G2532	G0611	G3004	G3004	G4771	G3754	G1437	G3778	G4623	G3588	G3037

κράξουσιν.
चिल्लाएँगे
G2896

> सो उसने उत्तर दिया, "मैं तुमसे कहता हूँ यदि ये चुप हो भी जायें तो ये पत्थर चिल्ला उठेंगे।"

41	Καὶ	ὡς	ἤγγισεν,	ἰδὼν	τὴν	πόλιν,	ἔκλαυσεν	ἐπ’	αὐτήν,
	और	जब	निकट-आया	देखकर	–	नगर-को	रोया	पर	उस
	G2532	G5613	G1448	G3708	G3588	G4172	G2799	G1909	G0846

> जब उसने पास आकर नगर को देखा तो वह उस पर रो पड़ा।

42	λέγων	ὅτι,	Εἰ	ἔγνως,	ἐν	τῇ	ἡμέρᾳ	ταύτῃ,	καὶ	σὺ,	τὰ	πρὸς
	कहते-हुए	कि	यदि	जानती	में	–	दिन	इस	भी	तू	–	के-लिए
	G3004	G3754	G1487	G1097	G1722	G3588	G2250	G3778	G2532	G4771	G3588	G4314

εἰρήνην,	νῦν	δὲ	ἐκρύβη	ἀπὸ	ὀφθαλμῶν	σου.
शान्ति	अब	पर	छिपी-है	से	आँखों	तेरी
G1515	G3568	G1161	G2928	G0575	G3788	G4771

> और बोला, "यदि तू बस आज यह जानता कि शान्ति तुझे किस से मिलेगी किन्तु वह अभी तेरी आँखों से ओझल है।"

43 ὅτι ἥξουσιν ἡμέραι ἐπὶ σὲ καὶ παρεμβαλοῦσιν οἱ ἐχθροί σου
क्योंकि आएँगे दिन पर तुझ और डालेंगे – शत्रु तेरे
G3754 G2240 G2250 G1909 G4771 G2532 G3925 G3588 G2190 G4771

χάρακά σοι; καὶ περικυκλώσουσίν σε καὶ συνέξουσίν σε πάντοθεν,
मोर्चा तुझे और घेरेंगे तुझे और दबाएंगे तुझे चारों-ओर-से
G5482 G4771 G2532 G4033 G4771 G2532 G4912 G4771 G3840

> वे दिन तुझ पर आयेंगे जब तेरे शत्रु चारों ओर बाधाएँ खड़ी कर देंगे। वे तुझे घेर लेंगे और चारों ओर से तुझ पर दबाव डालेंगे।

44 καὶ ἐδαφιοῦσίν σε καὶ τὰ τέκνα σου ἐν σοί, καὶ οὐκ
और ज़मीन-पर-पछाड़ेंगे तुझे और – सन्तानों-को तेरे में तुझ-में और नहीं
G2532 G1474 G4771 G2532 G3588 G5043 G4771 G1722 G4771 G2532 G3756

ἀφήσουσιν λίθον ἐπὶ λίθον ἐν σοί, ἀνθ’ ὧν οὐκ ἔγνως τὸν καιρὸν
छोड़ेंगे पत्थर पर पत्थर में तुझ-में के-बदले जिन-को नहीं जानी – समय
G0863 G3037 G1909 G3037 G1722 G4771 G0473 G3739 G3756 G1097 G3588 G2540

τῆς ἐπισκοπῆς σου.
– देखभाल-के अपने
G3588 G1984 G4771

> वे तुझे धूल में मिला देंगे-तुझे और तेरे भीतर रहने वाले तेरे बच्चों को। तेरी चारदीवारी के भीतर वे एक पत्थर पर दूसरा पत्थर नहीं रहने देंगे। क्योंकि जब परमेश्वर तेरे पास आया, तूने उस घड़ी को नहीं पहचाना।”

45 Καὶ εἰσελθὼν εἰς τὸ ἱερὸν, ἤρξατο ἐκβάλλειν τοὺς πωλοῦντας,
और प्रवेश-करके में – मन्दिर लगा निकालने – बेचने-वालों-को
G2532 G1525 G1519 G3588 G2411 G0756 G1544 G3588 G4453

> फिर यीशु ने मन्दिर में प्रवेश किया और जो वहाँ दुकानदारी कर रहे थे उन्हें बाहर निकालने लगा।

46 λέγων αὐτοῖς, Γέγραπται, Καὶ ἔσται ὁ οἶκός μου οἶκος προσευχῆς; ὑμεῖς
कहते-हुए उन-से लिखा-है और होगा – घर मेरा घर प्रार्थना-का तुम-ने
G3004 G0846 G1125 G2532 G1510 G3588 G3624 G1473 G3624 G4335 G4771

δὲ αὐτὸν ἐποιήσατε σπήλαιον λῃστῶν.
पर उसे बनाया गुफा डाकुओं-का
G1161 G0846 G4160 G4693 G3027

> उसने उनसे कहा, “लिखा गया है, ‘मेरा घर प्रार्थनागृह होगा।’ किन्तु तुमने इसे ‘डाकुओं का अड्डा बना डाला है।’”

47 Καὶ ἦν διδάσκων τὸ καθ’ ἡμέραν ἐν τῷ ἱερῷ; οἱ δὲ ἀρχιερεῖς,
और था सिखाता-हुआ – प्रत्येक दिन में – मन्दिर – पर महायाजक
G2532 G1510 G1321 G3588 G2596 G2250 G1722 G3588 G2411 G3588 G1161 G0749

καὶ οἱ γραμματεῖς, ἐζήτουν αὐτὸν ἀπολέσαι, καὶ οἱ πρῶτοι τοῦ λαοῦ,
और – शास्त्री ढूँढते-थे उसे नाश-करना और – प्रमुख – लोगों-के
G2532 G3588 G1122 G2212 G0846 G0622 G2532 G3588 G4413 G3588 G2992

> सो अब तो वह हर दिन मन्दिर में उपदेश देने लगा। प्रमुख याजक, यहूदी धर्मशास्त्री और मुखिया लोग उसे मार डालने की ताक में रहने लगे।

48 καὶ οὐχ εὕρισκον τὸ τί ποιήσωσιν; ὁ λαὸς γὰρ ἅπας ἐξεκρέματο
और नहीं पाते-थे – क्या करें – लोग क्योंकि सब लटके-रहते-थे
G2532 G3756 G2147 G3588 G5101 G4160 G3588 G2992 G1063 G0537 G1582

αὐτοῦ ἀκούων.
उसकी सुनते-हुए
G0846 G0191

> किन्तु उन्हें ऐसा कर पाने का कोई अवसर न मिल पाया क्योंकि लोग उसके वचनों को बहुत महत्त्व दिया करते थे।